भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
05.08.2015 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2566

उच्च गुणवत्ता वाले यूरेनियम भंडार

2566. श्री पी.के. बिजू:
श्री इन्नोसेन्ट:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश के विभिन्न भागों में उच्च गुणवत्ता वाले भंडार पाए गए हैं और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) अन्वेषण यदि कराए गए हैं, तो उनका निष्कर्ष और बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों के दोहन हेतु क्या अन्य कदम उठाए गए हैं; और

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान अन्वेषण पर कितना व्यय हुआ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ। भारतीय परिप्रेक्ष्य में, काफी ज्यादा टनेज वाले अपेक्षाकृत कम ग्रेड वाले यूरेनियम निक्षेपों, तथा मौजूदा खनन केन्द्रों के समीप अवस्थित निक्षेपों, जिनसे प्रचालनरत खानों तथा मिलों का जीवन-काल बढ़ सकता है, तथा इसके परिणामस्वरूप प्रचालन लागतों का इष्टतमीकरण किया जा सकता है, को, "उच्चतर गुणता-पूर्ण यूरेनियम निक्षेप" माना जा सकता है। भारत में, आर्थिक व्यवहार्यता एवं सफलता युक्त बड़ी टनेज वाले निक्षेप हैं। ऐसे यूरेनियम निक्षेपों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

राज्य	जिला	निक्षेप का नाम	यूरेनियम के भंडार	
			U_3O_8 (टन)	U (टन)
आंध्र प्रदेश	कडप्पा	तुम्मलापल्ली रचकुंटापल्ली	98,952	83,911
	गुंटूर	कोप्पुनूरू	2,761	2,341
तेलंगाना	नालगोंडा	लंबापुर	1,450	1,230
		पेड्डागट्टू	7,585	6,432
	नालगोंडा	चित्रियाल	9,515	8,069
झारखंड	पूर्वी सिंहभूम	जादुगोडा	8,038	6,816
		भाटिन	1,700	1,442
		नरवापहाड़	10,700	9,074
		नरवापहाड़ विस्तार	1,080	916

2/-

		नरवापहाड़ विस्तार (अधिक गहरा ब्लॉक)	2,496	2,117
		तुरूमडीह	3,750	3,180
		बंदुहुरंग	5,460	4,630
		बागजाता	1,860	1,577
		मोहुलडीह	1,700	1,442
		मोहुलडीह विस्तार	1,630	1,382
		तुरूमडीह (दक्षिण)	4,850	4,113
		सिंगरीडूंगरी - बनाडूंगरी	9,360	7,937
मेघालय	पश्चिमी खासी हिल्स	केपीएम (डोमियासियात)	9,500	8,056
		वाखेन	5,381	4,563
		वाहकुट	3,840	3,256
राजस्थान	सीकर	रोहिल	8,003	6,786
कर्नाटक	गुलबर्गा	गोगी	4,267	3,618

(ख) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन एक संघटक यूनिट है, देश में परमाणु खनिजों के भंडारों का पता लगाने एवं उनका मूल्यांकन करने के लिए, सर्वेक्षण एवं अन्वेषण कार्यों में लगा हुआ है। जून, 2015 की स्थिति के अनुसार, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय ने, देश में 2,25,936 टन स्व-स्थाने U_3O_8 (1,91,594 टन यूरेनियम) भंडारों का पता लगाया है।

यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (यूसिल), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है, देश में यूरेनियम अयस्कों के खनन एवं संसाधन में लगा हुआ है।

यह कंपनी, झारखंड में सात यूरेनियम खानों तथा दो संसाधन संयंत्रों का प्रचालन कर रही है। इनमें से कुछ यूनिटों को क्षमता विस्तार के अधीन रखा गया है। तुम्मलापल्ली, आंध्र प्रदेश में वृहद भूमिगत खान एवं संसाधन संयंत्र का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त, गोगी, कर्नाटक में एक नई भूमिगत खान एवं संयंत्र, किलेंग- पेंगडेंगसोहियांग मावथाबाह (केपीएम), मेघालय में एक विवृत गर्त खान, लंबापुर, तेलंगाना में एक खुला विवृत्त एवं तीन भूमिगत खान तथा राजस्थान के सीकर जिले में एक यूरेनियम खनन परियोजना क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं।

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी) द्वारा अपने अन्वेषण कार्यक्रम पर किया गया व्यय नीचे दिए गए अनुसार है:

वर्ष	व्यय (लाख रूपए में)
2012-13	6,519.61
2013-14	8,364.17
2014-15	8,827.86

*****